

बर्फ के भीतर छिपी 'दूरबीन' ने खोला ब्रह्मांड का नया दरवाजा, फ्रांसिस हाल्जेन को भौतिकी का नोबेल

24 न्यूज अपडेट

स्टॉकहोम, 6 अक्टूबर। ब्रह्मांड को देखने के लिए आसमान में दूरबीन लगाने की जरूरत नहीं। कभी-कभी धरती की बर्फ के भीतर उतरना भी उतना ही बड़ा वैज्ञानिक कदम हो सकता है। इसी असाधारण सोच ने बेलजियम के भौतिक विज्ञानी फ्रांसिस हाल्जेन को 2026 का भौतिकी का नोबेल पुरस्कार दिलाया है। रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज ने उन्हें दक्षिणी ध्रुव स्थित IceCube Neutrino Observatory में निर्णायक योगदान और खगोलीय स्रोतों से आने वाले उच्च-ऊर्जा न्यूट्रिनो की खोज के लिए सम्मानित किया है। हाल्जेन का काम इसलिए असाधारण है क्योंकि न्यूट्रिनो ऐसे कण हैं जिन्हें पकड़ना बेहद कठिन है। वे पदार्थ के साथ बहुत कम प्रतिक्रिया करते हैं और विशाल दूरी लगभग बिना रुके तय कर सकते हैं। यही वजह है कि वैज्ञानिक इन्हें ब्रह्मांड के दूर-दराज के हिस्सों से आने वाले 'कॉस्मिक संदेशवाहक' मानते हैं।

आसमान में नहीं, 1 घन किलोमीटर बर्फ में तलाश

IceCube को अंटार्कटिका की बर्फ के भीतर स्थापित किया गया है। करीब एक घन किलोमीटर बर्फ में प्रकाश पकड़ने वाले हजारों सेंसर लगाए गए हैं। जब कोई उच्च-ऊर्जा न्यूट्रिनो बर्फ में मौजूद परमाणु से टकराता है तो अत्यंत कमजोर प्रकाश संकेत पैदा होता है। सेंसर इसी क्षणिक चमक को दर्ज करते हैं और वैज्ञानिक उसके आधार पर न्यूट्रिनो की दिशा और ऊर्जा का अध्ययन करते हैं। यानी जिस कण को सीधे देखना लगभग असंभव



'भूत कण' क्यों हैं इतने महत्वपूर्ण?

न्यूट्रिनो सूर्य और तारों से लेकर ब्रह्मांड की सबसे शक्तिशाली घटनाओं तक से पैदा हो सकते हैं। वे दूसरे पदार्थों से बहुत कम टकराते हैं, इसलिए अपने स्रोत की जानकारी लेकर अपेक्षाकृत सीधे वैज्ञानिकों तक पहुंच सकते हैं। प्रकाश कई बार रास्ते में अवशोषित या बिखर सकता है, लेकिन न्यूट्रिनो बेहद लंबी दूरी तय कर सकते हैं। इसलिए इनके जरिए वैज्ञानिक यह जानने की कोशिश कर सकते हैं कि ब्रह्मांड में कहां कणों को असाधारण ऊर्जा मिल रही है और वहां कौन-सी हिंसक खगोलीय प्रक्रिया चल रही है। IceCube ने उच्च-ऊर्जा न्यूट्रिनो के जरिए ब्रह्मांड को समझने के लिए एक नया रास्ता खोला है। इसे खगोल विज्ञान की उस नई दिशा का हिस्सा माना जा रहा है, जिसमें प्रकाश के साथ न्यूट्रिनो जैसे अलग-अलग 'कॉस्मिक संदेशवाहकों' से ब्रह्मांड को पढ़ा जाता है।

विचार से वेधशाला तक का सफर

हाल्जेन ने दक्षिणी ध्रुव की बर्फ को न्यूट्रिनो डिटेक्टर के रूप में इस्तेमाल

है, उसकी मौजूदगी का पता बर्फ में पैदा हुई एक बेहद मामूली चमक से लगाया जाता है। यही तकनीक IceCube को दुनिया की सबसे अनोखी वैज्ञानिक वेधशालाओं में शामिल करती है।

करने की अवधारणा को आगे बढ़ाया। विचार सीधा था, लेकिन चुनौती असाधारण। अगर न्यूट्रिनो पदार्थ से टकराते ही नहीं, तो उन्हें पकड़ने के लिए कितना बड़ा डिटेक्टर चाहिए? इसका जवाब था 'प्रकृति के बनाए विशाल बर्फीले भंडार को ही डिटेक्टर बना दो। इसी सोच से आगे चलकर IceCube अस्तित्व में आया। वेधशाला का निर्माण 2011 में पूरा हुआ और 2013 में उच्च-ऊर्जा खगोलीय न्यूट्रिनो के पहली बार स्पष्ट रूप से देखे जाने के बाद इस क्षेत्र में बड़ा बदलाव आया।

ब्लैक होल से लेकर आकाशगंगाओं तक की तलाश

न्यूट्रिनो अब सिर्फ कण भौतिकी का विषय नहीं रहे। IceCube के जरिए वैज्ञानिक सक्रिय आकाशगंगाओं, ब्लैक होल के आसपास के अत्यधिक ऊर्जावान वातावरण और अन्य शक्तिशाली खगोलीय घटनाओं को समझने की कोशिश कर रहे हैं। वैज्ञानिकों ने हमारी अपनी मिलकी वे से आने वाले न्यूट्रिनो के संकेतों का भी अध्ययन किया है। सक्रिय आकाशगंगा NGC 1068 को भी उच्च-ऊर्जा न्यूट्रिनो के स्रोत के रूप में पहचानने के लिए IceCube के अवलोकन महत्वपूर्ण रहे हैं। IceCube की नई क्षमताएं केवल अतीत की उपलब्धि नहीं हैं। इसका अपग्रेड पूरा हो चुका है और वैज्ञानिक इससे कम ऊर्जा वाले न्यूट्रिनो समेत कई नए संकेतों की तलाश कर रहे हैं। शोधकर्ताओं को उम्मीद है कि बेहतर संवेदनशीलता से न्यूट्रिनो के स्रोतों की पहचान और सटीक हो सकेगी तथा ब्रह्मांड में अत्यधिक ऊर्जा पैदा करने वाली प्रक्रियाओं के बारे में नए सुराग मिलेंगे।

भगवंत मान के कैंप ऑफिस पर CBI की रेड, हाईकोर्ट के आदेश के बाद जांच तेज



24 न्यूज अपडेट

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के सेक्टर-2 स्थित कैंप ऑफिस समेत पंजाब में कई ठिकानों पर मंगलवार को CBI ने तलाशी कार्रवाई की। यह कार्रवाई पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के उस आदेश के एक दिन बाद हुई है, जिसमें मुख्यमंत्री कार्यालय से जुड़े कथित भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच CBI को सौंपी गई थी।

आशुतोष दीक्षित होंगे नए एयर चीफ मार्शल

24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर। भारतीय वायुसेना को नया प्रमुख मिल गया है। वाइस एयर चीफ मार्शल आशुतोष दीक्षित को नया एयर चीफ मार्शल नियुक्त किया गया है। करीब चार दशक के सैन्य अनुभव वाले दीक्षित लड़ाकू विमानों के अनुभवी पायलट होने के साथ ही परीक्षण उड़ान, स्वदेशी विमान विकास और वायुसेना के आधुनिकीकरण से जुड़े महत्वपूर्ण दायित्व निभा चुके हैं। उन्होंने 1 जुलाई 2026 को भारतीय वायुसेना के 51वें वाइस चीफ ऑफ एयर स्टाफ



का पद संभाला था। दीक्षित 6 दिसंबर 1986 को वायुसेना की फाइटर स्ट्रीम में शामिल हुए थे। तीन दशक से अधिक के

सैन्य करियर में उन्होंने विभिन्न लड़ाकू एवं परिवहन विमानों पर 3,300 घंटे से अधिक उड़ान भरी है। उन्हें ऐस फाइटर पायलट के रूप में जाना जाता है। मिराज-2000, मिग-21, जगुआर, एएन-32 और हॉक जैसे

विमानों को उड़ाने का उन्हें व्यापक अनुभव है।

टेस्ट पायलट से वायुसेना के शीर्ष पद तक आशुतोष दीक्षित केवल अनुभवी लड़ाकू पायलट ही नहीं, बल्कि योग्य फ्लाईंग इंस्ट्रक्टर और एक्सपेरिमेंटल टेस्ट पायलट भी रहे हैं। परीक्षण पायलट के रूप में उन्होंने जगुआर और मिग-27 के एवियोनिक्स उन्नयन तथा विभिन्न स्वदेशी विमान विकास कार्यक्रमों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वायुसेना में डायरेक्टर ऑफ एयर स्टाफ रिकवायरमेंट्स के रूप में उन्होंने मध्यम बहु-भूमिका लड़ाकू विमान (MMRCA) से जुड़े परीक्षणों की योजना और संचालन में भी अहम जिम्मेदारी

निभाई। इससे वायुसेना की भविष्य की लड़ाकू क्षमता से जुड़े निर्णयों में उनकी तकनीकी भूमिका महत्वपूर्ण रही। कारगिल से लेकर शीर्ष सैन्य जिम्मेदारियों तक दीक्षित ने ऑपरेशन सफेद सागर के दौरान कारगिल युद्ध और ऑपरेशन रक्षक जैसे महत्वपूर्ण सैन्य अभियानों में भी सेवाएं दी हैं। उप-प्रमुख बनने से पहले वे चीफ ऑफ इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ, एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, सेंट्रल एयर कमांड और डिप्टी चीफ ऑफ द एयर स्टाफ जैसे महत्वपूर्ण पदों पर जिम्मेदारी निभा चुके हैं।

टाटा की कार से परेशान AAO शोरूम में परिवार संग धरने पर बैठे, कार पर लिख दिया- 'गधा खरीदना बेहतर'

24 न्यूज अपडेट

अलवर, 6 अक्टूबर। रैणी एसडीएम कार्यालय में अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी (AAO) दीपक मंगलवार को अपनी कार की लगातार खराबियों से परेशान होकर परिवार के साथ हनुमान चौराहा स्थित टाटा मोटर्स शोरूम पहुंच गए और धरने पर बैठ गए। उन्होंने कार पर तंज कसते हुए लिख दिया 'ताटा की कार खरीदने से बढ़िया है गधा खरीद लेना, वजन तोलने के तो काम आएगा। टाटा क्लासिक मोटर्स अलवर से ये गधा मैंने 12 लाख में लिया है। दीपक के मुताबिक उन्होंने 17 सितंबर 2023 को टाटा क्लासिक मोटर्स से करीब 12 लाख रुपये में टाटा टियागो



खरीदी थी। खरीदने के बाद से ही कभी बैटरी तो कभी एसी में खराबी आती रही। कई बार शोरूम में शिकायत करने के बावजूद स्थायी समाधान नहीं हुआ। करीब तीन साल से परेशान दीपक मंगलवार सुबह 9 बजे परिवार के साथ शोरूम पहुंचे और कार खड़ी कर धरने पर बैठ गए। करीब साढ़े चार घंटे बाद दोपहर 1:30 बजे कंपनी कर्मचारियों ने उनसे बातचीत की। इसके बाद कंपनी ने कार वापस ले ली और 12 लाख रुपये की पूरी रकम लौटा दी। रकम मिलने के बाद दीपक ने धरना समाप्त कर दिया। उन्होंने कहा कि लंबे समय से शिकायतों का समाधान नहीं होने के कारण उन्हें विरोध का यह तरीका अपनाना पड़ा।

कचरा नहीं उठा तो भाजपा पार्षद का फूटा गुस्सा, सिर पटका, कपड़े फाड़े



24 न्यूज अपडेट

बीकानेर, 06 अक्टूबर। बीकानेर नगर निगम में मंगलवार को सफाई व्यवस्था को लेकर जमकर हंगामा हुआ। वार्ड 37 से भाजपा पार्षद श्याम सिंह हाडला ने कचरा नहीं उठने से नाराज होकर निगम कमिश्नर सिद्धार्थ पलानीचामी के सामने अपना सिर जमीन पर पटक दिया और कपड़े फाड़ लिए। मामला बढ़ने पर पुलिस ने पार्षद को चेंबर से बाहर निकाला। हाडला दोपहर करीब 1 बजे घरों से कचरा नहीं उठने और हूपर व्यवस्था में अव्यवस्था की शिकायत लेकर कमिश्नर के पास पहुंचे थे। उनका आरोप था कि हूपर चालक फोन तक नहीं उठाते और सफाई व्यवस्था बिगड़ने का खामियाजा पार्षदों को जनता की नाराजगी के रूप में भुगतना पड़ रहा है। कमिश्नर से बातचीत के दौरान संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर हाडला अचानक जमीन पर बैठ गए और सिर पटक लिया। इससे पहले निगम हॉल में भी कमिश्नर और पार्षद के बीच तीखी नोकझोंक हुई, जहां हाडला ने अपनी शर्ट फाड़ ली थी। मौके पर मौजूद सीआई प्रदीप चारण ने उन्हें संभाला और चेंबर से बाहर ले गए। हाडला ने आरोप लगाया कि पुराने कचरा संग्रहण टेंडर को खत्म कर दिया गया, जबकि नया टेंडर भी ठीक तरीके से लागू नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि अधिकारियों की लापरवाही के कारण मोहल्लों में कचरा गाड़ियां नहीं पहुंच रही हैं और जनता पार्षदों से जवाब मांग रही है। उन्होंने कुछ अधिकारियों पर टेंडर प्रक्रिया में लिस होने का आरोप भी लगाया।

बेनीवाल को हाईकोर्ट से राहत, कुचेरा एफआईआर में दंडात्मक कार्रवाई पर रोक

24 न्यूज अपडेट

जोधपुर, 06 अक्टूबर। राजस्थान हाईकोर्ट की जोधपुर पीठ ने नागौर के कुचेरा थाने में दर्ज एफआईआर के मामले में सांसद हनुमान बेनीवाल को अंतरिम राहत दी है। न्यायाधीश फरजंद अली की एकलपीठ ने बेनीवाल के खिलाफ किसी भी तरह की दंडात्मक कार्रवाई पर रोक लगाते हुए राज्य सरकार और पुलिस से जवाब मांगा है। मामले की अगली सुनवाई तीन सप्ताह बाद होगी। बेनीवाल की ओर से अधिवक्ता पंकज चौधरी और सुनिता चौधरी ने कोर्ट में तर्क दिया कि एफआईआर 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान कुचेरा में हुई राजनीतिक सभा और निषेधाज्ञा के कथित उल्लंघन से जुड़ी है। इसमें बेनीवाल पर हिंसा, किसी को चोट पहुंचाने, संपत्ति को नुकसान या बल प्रयोग का आरोप नहीं है। मामले में उप निरीक्षक मुकेश कुमार की शिकायत पर 4 मई 2024 को आईपीसी की धारा 143, 147, 283 और 188 के तहत एफआईआर दर्ज की गई थी। याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन लोकतांत्रिक अधिकार का हिस्सा है। अदालत ने फिलहाल बेनीवाल के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई पर रोक लगाते हुए सरकार-पुलिस का पक्ष मांगा है।

संपादकीय : भरोसे का सवाल

भारतीय लोकतंत्र में चुनाव आयोग की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। उसकी जिम्मेदारियों का मूल्यांकन मतदाता सूची तैयार करने से लेकर निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से मतदान सुनिश्चित कराने तक से किया जाता है इसलिए लोकतांत्रिक व्यवस्था में इस संवैधानिक संस्था की विश्वसनीयता को बनाए रखना बेहद जरूरी है। मगर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर की प्रक्रिया को लेकर शुरू से ही जिस तरह के सवाल उठ रहे हैं, उससे राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर गंभीर चिंताएं उभरी हैं। खासकर विभिन्न राज्यों में लाखों की संख्या में नागरिकों को मतदाता सूची से बाहर कर देने से शासन के चयन में उनकी भागीदारी खत्म हो जाने के साथ-साथ उनके सामने कई तरह की चुनौतियां पैदा हो गई हैं। सर्वोच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां ने भी बीते रविवार को हैदराबाद में एक कार्यक्रम में इस चिंता को रेखांकित करते हुए कहा कि नागरिकों को उनके मताधिकार से वांचित करने वाली कोई भी प्रक्रिया संवैधानिक व्यवस्था के खिलाफ है और उसे किसी भी तरह की दलीलों के जरिए उचित नहीं ठहराया जा सकता। एसआइआर प्रक्रिया पर उठ रहे सवालों की गंभीरता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि हाल में देश भर में करीब तेरह करोड़ लोगों को मतदाता सूची से बाहर कर दिए जाने की खबरें आई हैं। इतने बड़े पैमाने पर अगर देश के नागरिक अपने मताधिकार से वंचित हो जाएं, तो क्या इसे लोकतांत्रिक व्यवस्था में मतदाता सूची की शुचिता के दृष्टिगत शुभ संकेत के तौर पर देखा जाएगा? किसी नागरिक का मतदाता बनना और उसके मतदान करने का अधिकार स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव की

आधारशिला होता है केवल तकनीकी पहलुओं के आधार पर उसकी पहचान से मताधिकार को अलग कर देना क्या लोकतंत्र में उसकी सबसे महत्त्वपूर्ण भागीदारी को खत्म कर देना नहीं है? न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां ने भी अपनी टिप्पणी में कहा है कि देश का संविधान नागरिकों को दो वर्गों में नहीं बांटता, जिनमें से एक वर्ग मताधिकार प्राप्त हो और दूसरा मताधिकार से वंचित। यदि किसी प्रक्रिया के परिणामस्वरूप बड़े पैमाने पर लोग अपने ही देश में दोयम दर्जे के नागरिक बन जाएं, तो उसमें सुधार की राह निकालना अत्यंत आवश्यक हो जाता है। दूसरी ओर, एसआइआर के तहत फार्म - 6 को लेकर सर्वोच्च न्यायालय की ओर से सोमवार को स्थिति स्पष्ट किए जाने से चुनाव पैमाने पर लोग अपने ही देश में दोयम दर्जे के नागरिक बन जाएं, तो उसमें सुधार की राह निकालना अत्यंत आवश्यक हो जाता है। जबकि न्यायालय ने साफतौर पर कहा कि उसने इस फार्म में किसी भी तरह के बदलाव को मंजूरी नहीं दी है। इससे चुनाव आयोग की विश्वसनीयता को लेकर आम नागरिकों के बीच भरोसे का संकट और गहरा हो गया है। यही नहीं, शीर्ष अदालत ने आयोग के भीतर मतभेदों के दावे से जुड़े मामले में निर्वाचन आयोग और केंद्र सरकार को नोटिस जारी कर कहा कि जो भी फैसला कानून के अनुरूप नहीं पाया जाएगा, उसे रद्द कर दिया जाएगा। इससे स्पष्ट है कि मतदाता सूची में किसी भी तरह के संशोधन के दौरान कानून, प्रक्रिया और नागरिकों के अधिकारों के बीच संतुलन कि आवश्यक है। किसी भी चुनावी सुधार प्रक्रिया की सफलता इस बात से तय नहीं होती कि मतदाता सूची से कितने लोग बाहर किए गए और कितने नए नाम जोड़े गए, बल्कि इससे होती है कि पात्र नागरिकों के अधिकार पूरी तरह सुरक्षित रहें।

संवाद के बजाय

लोकतंत्र में असहमति अर्वाञ्चित शोर नहीं, बल्कि उसकी जीवंतता का प्रमाण है। ऐसे में जब देश के विभिन्न हिस्सों में युवा शिक्षा, रोजगार, अवसर और अधिकारों से जुड़े सवालों को लेकर सड़कों पर उतरते हैं, तो सबसे पहले उनके सवालों को सुनने की जरूरत है। पढ़ाई और करिअर बनाने की उम्र में एक समूची पीढ़ी अपनी ऊर्जा आंदोलन में लगाने को विवश हो, तो यह केवल उसकी बेचैनी नहीं, बल्कि व्यवस्था के लिए भी आत्ममंथन का विषय होना चाहिए। विडंबना यह है कि आंदोलित युवाओं से संवाद करने और समस्याओं का समाधान खोजने के बजाय सरकारी तंत्र सख्ती को ही रास्ता मान लेता है। कानून-व्यवस्था बनाए रखना सरकार की जिम्मेदारी है, लेकिन हर असहमति को संदेह की नजर से देखना लोकतंत्र के लिए स्वस्थ संकेत नहीं। विरोध और अराजकता एक नहीं हैं। सवाल उठाना व्यवस्था को चुनौती देना नहीं है। जब शासन नागरिकों के सवालों का उत्तर तर्क और संवाद के बजाय शक्ति से देने लगे, तो लोकतंत्र आदेश की भाषा में बदलने लगता है। हालांकि लोकतंत्र की ताकत कठोरता

में नहीं, आलोचना सुनने और अपनी नीतियों की समीक्षा करने की क्षमता में होती है। युवाओं के आंदोलनों को भीड़ और नारों के रूप में देखना आसान है, जबकि कठिन काम यह समझना है कि आखिर ऐसी कौन-सी परिस्थितियां हैं, जो भविष्य बनाने की उम्र में उन्हें सड़क पर आने को विवश करती हैं। उनके सवालों में अगर व्यवस्था की कमी दिखती है, तो उसे दबाने बा खामी को दूर करना चाहिए। अफसोस की बात यह है कि देश के अलग-अलग हिस्सों और खासतौर पर दिल्ली में युवाओं के आंदोलन के प्रति पुलिस का जैसा रवैया देखा जा रहा है, वह नागरिकों के संवैधानिक अधिकारों और लोकतंत्र के लिए चिंताजनक है। सत्ता की आलोचना, न्यायपूर्ण नीतियों की मांग और व्यवस्था में सुधार जैसे सवाल सुनने और समाधान की मांग करते हैं, न कि दमन के सहारे चुप कराए जाने की। सख्ती से कुछ समय के लिए सन्नप्ता पैदा किया जा सकता है, लेकिन यह समाधान नहीं है। देशहित के सवालों पर सड़क पर उतरे युवाओं के साथ संवादहीनता की स्थिति से समस्या और भी जटिल हो सकती है। युवाओं के सवालों को सुनना सरकार की जिम्मेदारी है।

जनता को सूचना दिए बिना शुरू किया दुर्गा नर्सरी नाले का काम, बना दिया घनचक्कर, महापौर ने किया निरीक्षण, बोले- शहरवासी सहयोग करें, वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें, बड़ा सवाल—जनता को तो बताया ही नहीं, रास्ता कब बंद करेंगे???



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। शहर में प्रशासनिक और राजनीतिक गठजोड़ से मनमानी इस कदर बढ़ती जा रही है कि अफसर और नेता खुद को खुदा समझ कर जब चाहे वहां पर बिना किसी पूर्व सूचना के खोदने लग गए हैं। दुर्गा नर्सरी रोड पर अति व्यस्त रास्ते पर खुदाई व रास्ता बंद करने से पहले जिला प्रशासन की ओर से कोई एडवाइजरी नहीं जारी की गई, रास्ता डाइवर्जन की कोई खबर जारी नहीं की गई, कहीं कोई सूचना इंटरनेट पर मौजूद किसी भी संचार माध्यम से प्रसारित की गई। जनता को कीड़े मकौड़े

समझने का यह एटीट्यूड बहुत लंबे समय से चल रहा है। कोई जुलूस जयंती हो तो तुरंत एक दिन पहले रूट चार्ट आ जाता है, डाइवर्जन तय हो जाता है। सूचना भी दे दी जाती है मगर दुर्गा नर्सरी के नाले का काम शुरू करने से पहले शहरवासियों को भी व्यवस्था में साझेदार बनाए जाना जरूरी नहीं समझा गया। मौके पर बलियां लगा कर रास्ता बंद कर दिया गया। रोज जाने जाने वाले घनचक्कर और भीषण रह गए। हालात ये हो गए कि कई दिन बीत जाने के बाद भी आज तक आयड़ से आने वाले लोग शॉपिंग मॉल की अनावश्यक परिक्रमा करते हुए और मन ही मन प्रशासन व नेताओं को जमकर लताड़ते हुए आगे बढ़ने को मजबूर हैं। ऐसी परिक्रमा लगावाई जा रही है मानों शहरवासियों ने कोई बहुत बड़ अपराध कर दिया हो। चक्की पिंसिंग में लगता है नेताओं और अफसरों को बहुत आनंद आ रहा है। लेक्सिटी मॉल वाले छोर पर पुलिस चालान बनाने को तो तैयार खड़ी नजर आती है मगर एक डाइवर्जन लगा का यह तक नहीं बताया जा रहा है कि आगे बढ़ने के लिए आपको रॉन्ग साइड से होते हुए गुजरना है। रॉन्ग साइड पर भी वाहन अपनी रिस्क पर गिरते पड़ते गुजर रहे हैं। पूरे रास्ते में जगह जगह यातायात पुलिस तैनात करनी

आसमान से नजर, जमीन पर शिकंजा: राजस्थान पुलिस के 17 जवान बने ड्रोन एक्सपर्ट



24 न्यूज अपडेट

जयपुर, 06 अक्टूबर। अपराध नियंत्रण और निगरानी को तकनीक से धार देने के लिए राजस्थान पुलिस ने ड्रोन आधारित स्मार्ट पुलिसिंग की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। श्रीगंगानगर के लालगढ़ जाटान स्थित सशक्ति ड्रोन ट्रेनिंग स्कूल (एसएसडीटीएस) में तीन सप्ताह के पुलिस ड्रोन इंटीग्रेशन कोर्स का समापन हुआ। इसमें कांस्टेबल से पुलिस उपाधीक्षक स्तर तक के 17 पुलिस अधिकारियों-कर्मचारियों को ड्रोन संचालन, मिशन प्लानिंग और दिन-रात सर्विलांस का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान एफपीवी ड्रोन सिमुलेशन, सर्विलांस ड्रोन ऑपरेशन, मिशन आधारित फ्लाइटिंग, फ्लाइट सेफ्टी, ड्रोन की असेंबली-डिसअसेंबली

और मेंटेनेंस का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। प्रतिभागियों को ड्रोन रेगुलेशन और एयर स्पेस मैनेजमेंट से जुड़े नियमों की जानकारी भी दी गई। पुलिसिंग की वास्तविक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए दिन और रात में ड्रोन सर्विलांस तथा मिशन आधारित फ्लाइट का अभ्यास कराया गया। इससे पायलटों की तकनीकी दक्षता, निर्णय क्षमता और परिस्थितियों के अनुरूप कार्रवाई की क्षमता विकसित करने पर जोर रहा। प्रशिक्षण के दौरान दो पुलिस अधिकारियों को डीजीसीए का रिमोट पायलट सर्टिफिकेट (RPC) भी प्रदान किया गया। वहीं पुलिसिंग में ड्रोन के संभावित 24 एप्लीकेशन्स को लागू करने के लिए ड्राफ्ट रोडमैप तैयार किया गया है। मुख्यालय की मंजूरी के बाद इसे विभाग में लागू किया जाएगा। डीजीपी राजीव कुमार शर्मा ने कहा कि आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल से राजस्थान पुलिस की कार्यक्षमता और परिचालन क्षमता लगातार मजबूत हो रही है। उन्होंने ड्रोन को निगरानी, सुरक्षा और पुलिस ऑपरेशन्स के लिए महत्वपूर्ण तकनीकी संसाधन बताते हुए कहा कि ऐसे प्रशिक्षण स्मार्ट और तकनीक आधारित पुलिसिंग को नई मजबूती देगे। वहीं एडीजीपी वी.के. सिंह ने प्रशिक्षण को पुलिसिंग में ड्रोन के सुरक्षित और प्रभावी उपयोग की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया।

खिड़की तोड़कर घर में घुसे चोर, 10 लाख के गहने ले उड़े; सोता रहा परिवार



24 न्यूज अपडेट

प्रतापगढ़, 06 अक्टूबर। जिले के कडियाबद गांव में सोमवार रात चोरों ने एक मकान को निशाना बनाकर करीब 10 लाख रुपए के सोने-चांदी के आभूषण चुरा लिए। वारदात के दौरान परिवार के सदस्य घर में सो रहे थे, लेकिन उन्हें चोरी की भनक तक नहीं लगी। सुबह उठने पर वारदात का पता चला तो पुलिस को सूचना दी गई।

मतदान की तिथियों में बदलाव, धरतेरस पर नहीं होगी वोटिंग 24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 6 अक्टूबर। राज्य निर्वाचन आयोग ने पंचायतीराज चुनाव कार्यक्रम में बदलाव किया गया है। उदयपुर जिले में चुनाव प्रक्रिया तीन चरणों में संपन्न होगी। नए कार्यक्रम के अनुसार जिला परिषद एवं पंचायत समिति सदस्यों तथा पंच-सरपंच के लिए अलग-अलग तिथियां निर्धारित की गई हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी गौरव अग्रवाल ने बताया कि पहले चरण में जिला परिषद एवं पंचायत समिति सदस्यों के लिए 22 अक्टूबर को मतदान होगा, जबकि संबंधित पंच-सरपंच के लिए 24 अक्टूबर को वोटिंग होगी। पूर्व में यह तिथियां क्रमशः 23 अक्टूबर और 25 अक्टूबर थी। इस चरण में झाड़ोल, फलासिया, ओगणा, गिर्वा, नाई, मावली, घासा, कल्लभनगर, भींडर

और कुरावड़ पंचायत समितियां शामिल हैं। दूसरे चरण में जिला परिषद एवं पंचायत समिति सदस्यों के लिए 29 अक्टूबर के स्थान पर अब 28 अक्टूबर तथा पंच-सरपंच के लिए 31 अक्टूबर के स्थान पर 30 अक्टूबर को मतदान होगा। इस चरण में गोगुंदा, सायरा, बड़गांव, कोटड़ा, देवला और सुलाव पंचायत समितियों में चुनाव होंगे। वहीं तीसरे चरण में जिला परिषद एवं पंचायत समिति सदस्यों के लिए 3 नवंबर और पंच-सरपंच के लिए 5 नवंबर को मतदान कराया जाएगा। पूर्व में यह तिथियां क्रमशः 4 नवम्बर और 6 नवम्बर तय थी। 6 नवम्बर को धरतेरस पर्व होने से आयोग ने जनभावनाओं को ध्यान में रखते हुए यह बदलाव किए हैं। इस चरण में खेरवाड़ा, नयागांव, ऋषभदेव और कल्याणपुर पंचायत समितियां शामिल हैं। जिला परिषद एवं पंचायत समिति सदस्यों की मतगणना 20 नवम्बर को होगी।

थी मगर यहां पर तो जंग का मैदान सजा हुआ है। आज महापौर ने मौका निरीक्षण करके नाले का काम जल्दी पूरा करने का निर्देश दिया व लोगों को वैकल्पिक मार्ग अपनाने, जनता से सहयोग करने की अपील की। मगर सवाल यह है कि यह अपील काम शुरू होने से पहले क्यों नहीं की गई। अपील करना प्रशासन का काम है। प्रशासन ने जनता को इतना हल्के में क्यों लिया??? आज भी मौके पर यातायात के हालात विकट हैं, लोगों का कीमती समय जाया हो रहा है, इसके लिए कौन जिम्मेदार हैं?? अगर संवेदनशील प्रशासन होता तो अब तक तो एक दो अफसर सर्पेड हो चुके होते, नेता मौके पर आकर माफी मांग चुके होते। मगर यहां जनता भी सोई और रेंगती हुई दिखाई देती है।

गुणवत्ता में नहीं रहे लापरवाही
निगम महापौर पारस सिंघवी ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा निर्माण कार्य के दौरान होने वाले कार्य की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाए। नाले के निर्माण में निर्धारित मापदंडों का पूर्ण पालन सुनिश्चित करने के साथ-साथ कार्य की नियमित निगरानी की जाए। महापौर ने स्पष्ट किया कि कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उदयपुर को नई पर्यटन रफ्तार देने का संकल्प, मास्टर प्लान से पार्किंग तक उठे मुद्दे



24 न्यूज अपडेट

की मांग उठाई है। होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेश अग्रवाल के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को पर्यटन विभाग की ज्वाइंट डायरेक्टर सुमिता सरोच से मुलाकात कर पार्किंग, ट्रैफिक, नए पर्यटन स्थलों और सार्वजनिक परिवहन सहित कई मुद्दों पर सुझाव दिए। एसोसिएशन के सचिव विकास पोरवाल ने बताया कि मास्टर प्लान में पर्यटन स्थलों के विकास के साथ आधारभूत सुविधाओं और पर्याप्त पार्किंग को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। शहर के आसपास नए पर्यटन स्थल और एडवेंचर जोन विकसित करने, राजीव गांधी पार्क को विश्वस्तरीय उद्यान के रूप में विकसित करने तथा नेहरू गार्डन की तर्ज पर इसे नया स्वरूप देने का सुझाव दिया गया। प्रतिनिधिमंडल ने शहर में नाइट फूड कोर्ट, आधुनिक सार्वजनिक

शौचालय और बाजार क्षेत्रों में महिला शौचालय विकसित करने की मांग भी रखी। राजस्थान के पर्यटन स्थलों की सोशल मीडिया, टैबल ब्लॉगर्स और डिजिटल क्रिएटर्स के जरिए व्यापक ब्रॉडिंग पर भी जोर दिया गया। एयरपोर्ट कनेक्टिविटी सुधारने के लिए डबोक एयरपोर्ट और उदयपुर के बीच सिटी बसों की संख्या बढ़ाने तथा नगर निगम की इलेक्ट्रिक बस सेवा को एकलिंगजी से आगे नाथद्वारा तक विस्तार देने का सुझाव दिया गया। इससे उदयपुर और श्रीनाथजी दर्शन के बीच पर्यटकों की आवाजाही आसान होने की उम्मीद जताई गई। ज्वाइंट डायरेक्टर सुमिता सरोच ने सुझावों पर सकारात्मक रुख जताते हुए पार्किंग, इंफ्रास्ट्रक्चर और पर्यटकों की सुविधाओं से जुड़े मुद्दों पर उचित स्तर पर विचार का भरोसा दिलाया। प्रतिनिधिमंडल में उपाध्यक्ष उषा शर्मा, अजय सिंह बोहेड़ा, मनीष गलुडिया और सुदर्शन देव सिंह कारोही सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

तीन कक्षाओं के 32 बच्चे बैठे थे एक कक्षा में, गिरा प्लास्टर, 3 घायल



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 6 अक्टूबर। भींडर क्षेत्र की वाणियातलाई ग्राम पंचायत स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय नारदा में मंगलवार सुबह करीब 11 बजे बड़ा हादसा होते-होते बच गया। कक्षा 1, 2 और 3 के 32 बच्चे कमरे में पढ़ रहे थे, तभी अचानक छत का प्लास्टर भरभराकर नीचे गिर पड़ा। मलबे की चपेट में आने से

छात्र गणेश लाल, कार्तिक और भेरुलाल के सिर में चोटें आईं, जबकि दो अन्य बच्चे भी मामूली घायल हुए। घायलों को तत्काल भींडर राजकीय अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें घर भेज दिया गया। ग्रामीणों ने बताया कि स्कूल भवन लंबे समय से जर्जर है और इसकी शिकायतें किए जाने के बावजूद मरम्मत नहीं हुई। स्कूल में दो कमरे और एक बरामदा है, सभी की हालत खराब बताई जा रही है। गनीमत रही कि पूरी छत नहीं गिरी, वरना बड़ा हादसा हो सकता था। सूचना पर सीबीईओ भींडर राजेंद्र कुमार चौवीसा मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। घटना के बाद अभिभावकों और ग्रामीणों में रोष है।

समाचार भेजने के लिए हमारी मेल आई-डी पर संपर्क करें -
desk24newsupdate@gmail.com
Whatsapp : 8852073787



26 साल से फरार इनामी डकैत दल्ला बारिया गिरफ्तार, पेट्रोल पंप डकैती में था वांछित



24 न्यूज अपडेट

अजमेर, 6 अक्टूबर। अजमेर की मांगलियावास थाना पुलिस ने 26 साल पुराने डकैती के मामले में फरार चल रहे उद्धोषित इनामी आरोपी दल्ला बारिया को मध्यप्रदेश के झाबुआ से गिरफ्तार किया है। आरोपी वर्ष 2000 में पेट्रोल पंप पर डकैती डालकर 1.64 लाख रुपए से अधिक की नकदी लूटने के बाद फरार हो गया था। पुलिस के अनुसार 3 अप्रैल 2000 को एनएच-08 स्थित वैष्णो देवी पेट्रोल पंप पर दल्ला बारिया ने साथियों के साथ डकैती की थी। बदमाश 1,64,513 रुपए लूटकर फरार हो गए थे। मामले में छह आरोपी पहले

ही गिरफ्तार किए जा चुके थे, लेकिन दल्ला बारिया 26 वर्षों से पुलिस की पकड़ से बाहर था। उसके खिलाफ स्थायी गिरफ्तारी वारंट जारी था।

झाबुआ में बदले हुलिए में तलाश

वांछित अपराधियों की धरपकड़ के लिए चल रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस टीम ने झाबुआ जिले में आरोपी की तलाश शुरू की। टीम ने कल्याणपुर थाना क्षेत्र के नेगाड़िया, महेन्दीखेड़ा और सुल्ला मेहुड़ा गांवों में वेप बदलकर डेरा डाला और लगातार सूचना जुटाई। आखिरकार पुलिस ने आरोपी को दबोच लिया। पृष्ठताछ और तकनीकी सत्यापन में उसकी पहचान दल्ला उर्फ रमेश उर्फ दल्ला बारिया पुत्र कोडिया उर्फ सुमला बारिया, निवासी नेगड़िया, थाना कल्याणपुर, जिला झाबुआ के रूप में हुई। आरोपी को वारंट के तहत गिरफ्तार कर लिया गया। कार्रवाई थानाधिकारी हरीश चौधरी के नेतृत्व में गठित टीम ने की।

मावली में फार्म हाउस पर आबकारी विभाग की दबिश, 125 लीटर स्प्रीट जब्त



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 6 अक्टूबर। अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत आबकारी विभाग ने मावली क्षेत्र के वड़ोदिया गांव में कार्रवाई की। टीम ने एक फार्म हाउस

पर दबिश देकर 200 लीटर क्षमता वाले ड्रम में रखी 125 लीटर स्प्रीट बरामद की। आबकारी विभाग ने स्प्रीट जब्त कर आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया है। मामले में आगे की जांच की जा रही है। कार्रवाई आबकारी आयुक्त नमित मेहता के निर्देशन में, अतिरिक्त आबकारी आयुक्त प्रदीप सिंह सांगावत के सुपरविजन और उपायुक्त निरोधक दल उदयपुर जोन प्रद्युम्न सिंह चुण्डावत के नेतृत्व में की गई। अभियान के तहत प्रदेश के अन्य जिलों में भी दबिश और नाकाबंदी की गई। जयपुर ग्रामीण में 10 हजार लीटर बॉंश और 10 अवैध भट्टियां नष्ट की गईं, जबकि सिरोही में 2400 लीटर बॉंश और एक भट्टी नष्ट कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। कार्रवाई थानाधिकारी हरीश चौधरी के नेतृत्व में गठित टीम ने की।



जमीन में घुसकर मारपीट का आरोप, छह के खिलाफ केस 24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। ओगणा थाना क्षेत्र के धोया गांव में जमीन में अनधिकृत रूप से प्रवेश कर मारपीट करने का मामला सामने आया है। धोया निवासी जालमसिंह (55) ने पुलिस को दी रिपोर्ट में आरोप लगाया कि आरोपी उसकी जमीन में घुसे और उसके साथ मारपीट की। पुलिस ने नवला पुत्र मोला गमेठी, निवासी टेपरो की बोर सहित पांच अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया है। जांच सजिन कुमार कर रहे हैं।

खाते का गलत इस्तेमाल कर साइबर फ्रॉड का आरोप 24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। खेरोदा थाना क्षेत्र में एक युवक के बैंक खाते का कथित तौर पर गलत इस्तेमाल कर साइबर फ्रॉड करने का मामला दर्ज हुआ है। जेलाई निवासी शंकरलाल मीणा (21) की रिपोर्ट पर पुलिस ने अमरपुरा निवासी पुष्कर गायरी पुत्र सुरेश गायरी के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस मामले में खाते के इस्तेमाल और कथित साइबर गतिविधियों की जांच कर रही है। अनुसंधान अधिकारी परमेश्वर पाटीदार हैं।

रास्ते में रोककर बुजुर्ग से मारपीट, तीन पर केस 24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। बावलवाड़ा थाना क्षेत्र के फुटाला फला ननमपाड़ा में रास्ते में रोककर मारपीट करने का मामला सामने आया है। नवला गरसिया (63) ने पुलिस को बताया कि आरोपियों ने उसे आड़े फिर रोककर मारपीट की और चोट पहुंचाई। पुलिस ने मनीष पुत्र लक्ष्मण गरसिया निवासी ननमपाड़ा फला फुटाला सहित दो अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया है। जांच सजिन कासिम दुल्ला खान कर रहे हैं।

मुडोल में महिला से मारपीट, पांच नामजद 24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। वल्लभनगर थाना क्षेत्र के मुडोल गांव में महिला से मारपीट और झगड़े का मामला दर्ज हुआ है। कृष्णा पत्नी भगवत वागरिया (24) ने पुलिस को रिपोर्ट देकर आरोप लगाया कि उसके साथ मारपीट की गई। पुलिस ने राजू वागरिया, लोगर वागरिया, सुरेश, कैलाश और लालू, सभी निवासी मुडोल, के खिलाफ बीएनएस की धाराओं में मामला दर्ज किया है। जांच हैड कांस्टेबल मुकेश दास कर रहे हैं।

पेच बावजी के पास युवक से मारपीट कर लूट का आरोप 24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। फतहनगर थाना क्षेत्र में पेच बावजी के पास युवक से मारपीट कर रुपए लूटने का मामला सामने आया है। चगेडी निवासी किशनलाल रेगर (27) ने पुलिस को बताया कि आरोपियों ने उसके साथ मारपीट की और रुपए लेकर फरार हो गए। पुलिस ने गिरिश तैली पुत्र मांगीलाल, निवासी चगेडी, सहित 7-8 अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। प्रकरण की जांच हैड कांस्टेबल सुनील कर रहे हैं।

दहेज प्रताड़ना का मामला दर्ज, पति समेत आरोपियों पर केस 24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। फतहनगर थाना क्षेत्र के सन सिटी सनवाड़ में विवाहिता को दहेज के लिए प्रताड़ित करने का मामला सामने आया है। बिदुला पत्नी नितेश वैष्णव (36) ने पुलिस को दी रिपोर्ट में आरोप लगाया कि ससुराल पक्ष की ओर से उसे दहेज के लिए प्रताड़ित किया गया। पुलिस ने नितेश गीता लक्ष्मणदास वैष्णव (37) निवासी मदनलाल सहित अन्य आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। मामले की जांच थाना अधिकारी मदनलाल कर रहे हैं।

पहचान बदली, फर्नीचर कारोबारी बना और एमपी में छिपा बैठा था इनामी तस्कर विश्नाराम 24 न्यूज अपडेट

जयपुर, 06 अक्टूबर। राजस्थान पुलिस की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने नशा तस्करों के खिलाफ 'ऑपरेशन मंत्रैतेश' के तहत मध्यप्रदेश के मंदसौर से एक लाख रुपए के इनामी कुख्यात तस्कर विश्नाराम (32) को गिरफ्तार किया है। वह राजस्थान के टॉप-25 नाकों तस्करों में शामिल था और करीब दो साल से फरार चल रहा था। एएनटीएफ टीम ने उसे पिपलियामंडी क्षेत्र के उमरिया गांव में नशे की पार्टी करते दबोचा।

एएनटीएफ के आईजी विकास कुमार के अनुसार बाड़मेर के कुड़ला निवासी विश्नाराम करीब 12 साल से तस्करी के नेटवर्क में सक्रिय था। उसने नीमच-मंदसौर के तस्करों से संपर्क कर मध्यप्रदेश से मादक पदार्थ लाकर राजस्थान के मारवाड़ क्षेत्र में सप्लाई का नेटवर्क खड़ा किया। उसके खिलाफ एनडीपीएस, हत्या के प्रयास, आर्म्स एक्ट, चोरी, धोखाधड़ी और मारपीट समेत 18 से अधिक मामले दर्ज हैं। राजस्थान में दबाव बढ़ने पर उसने मंदसौर में पहचान बदलकर फर्नीचर कारोबारी का रूप धारण कर लिया। जोधपुर से फर्नीचर कारीगर बुलाए जाने की सूचना के आधार पर एएनटीएफ

ने उनकी गतिविधियों पर नजर रखी और ट्रैकिंग करते हुए आरोपी तक पहुंची। टीम ने उमरिया गांव में दबिश देकर उसे तस्कर साथी के रिश्तेदार के मकान से गिरफ्तार किया। कार्रवाई पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा, अतिरिक्त महानिदेशक दिनेश एमएन और एएनटीएफ आईजी विकास कुमार के निर्देशन में की गई। एएनटीएफ ने आमजन से संदिग्ध नशा तस्करों की सूचना देने की अपील की है। सूचना एएनटीएफ कंट्रोल रूम 0141-2502877 या व्हाट्सएप 9261225056 पर दी जा सकती है। पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

ख्राकी की जेब में घूस के 10 हजार, ट्रैप में फंसा प्रताप नगर थाने का ASI 24 न्यूज अपडेट

जयपुर, 06 अक्टूबर। जयपुर में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने मंगलवार दोपहर प्रताप नगर थाने में तैनात ASI सुखदेव जाट को 10 हजार रुपए की रिश्तत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया। आरोप है कि वह एक मामले में प्रभावी पैरवी, मदद और आरोपी को गिरफ्तार कर चालान पेश करने के एवज में रिश्तत मांग रहा था। एसीबी एडीजी स्मिता श्रीवास्तव के अनुसार परिवारिया ने 11 अगस्त को शिकायत दी थी कि प्रताप नगर थाने में उसके नाम से दर्ज एक मामले की जांच ASI सुखदेव कर रहे हैं। शिकायत के सत्यापन में रिश्तत मांगने की पुष्टि हुई। इसके नाबालिग को ब्लैकमेल कर पैसे मांगने और गलत काम का आरोप 24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। बड़गांव थाना क्षेत्र में नाबालिग लड़की को कथित तौर पर ब्लैकमेल करने, पैसे मांगने, बहला-फुसलाकर साथ ले जाने और उसके साथ गलत काम करने का मामला सामने आया है। पीड़िता की ओर से दर्ज 24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। गोवर्धन विलास थाना क्षेत्र की आरएचबी कॉलोनी में अज्ञात चोरों ने मकान में प्रवेश कर चांदी के सामान सहित अन्य वस्तुएं चोरी कर लीं। नीता गोस्वामी, निवासी



बाद एसीबी ने ट्रैप की योजना बनाई। परिवारी को 10 हजार रुपए देकर ASI के पास भेजा गया। सुखदेव ने रिश्तत की रकम लेकर उसे अपनी खाकी वर्दी की पेंट की जेब में रख लिया। रकम लेते ही पहले से तैनात एसीबी टीम ने उसे दबोच लिया और रिश्तत की राशि बरामद कर ली। आरोपी से पृष्ठताछ और आगे की कार्रवाई जारी है।

एडवोकेट से धोखाधड़ी, ट्रक चालक पर केस

उदयपुर। अंबामाता थाना क्षेत्र में अधिवक्ता के साथ धोखाधड़ी का मामला दर्ज हुआ है। एडवोकेट मांगीलाल पालीवाल (51), निवासी आजाद नगर, ने रिपोर्ट में आरोप लगाया कि उसके साथ धोखाधड़ी की गई। पुलिस ने दिनेश पालीवाल, निवासी हर्ष नगर, रामपुरा रोड, आईसर ट्रक क्रमांक UK08-CB-4914 के चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। जांच एएसआई रणजीत सिंह कर रहे हैं।

ट्रेडिंग इन्वेस्टर से साइबर ठगी, मामला दर्ज

उदयपुर। साइबर ठगी का मामला सामने आने पर अंबामाता थाना पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया है। अश्वय महेश राठौड़ (49), निवासी न्यू फतहपुरा, ने रिपोर्ट में आरोप लगाया कि अज्ञात व्यक्ति ने उसके साथ साइबर धोखाधड़ी की। मामला साइबर क्राइम कंट्रोल सेंटर से प्राप्त सूचना के आधार पर दर्ज किया गया। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। अनुसंधान एएसआई राजेंद्र सिंह झाला कर रहे हैं।

85 हजार की धोखाधड़ी का आरोप, दो लोगों के खिलाफ मामला

उदयपुर। हिरणमगरी थाना पुलिस ने 85 हजार रुपए की धोखाधड़ी के आरोप में दो लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। मनवाखेड़ा निवासी नितिन विजयवर्गीय ने न्यायालय के जरिए दर्ज कराई रिपोर्ट में आरोप लगाया कि उनके साथ 85 हजार रुपए की धोखाधड़ी की गई। मामले में महावीर कॉलोनी सेक्टर-4 निवासी संतोष टेलर और मुकेश टेलर को आरोपी बनाया गया है। पुलिस ने बीएनएस की धारा 318(4) व 316(2) के तहत प्रकरण दर्ज किया है। जांच एएसआई बनवारी लाल कर रहे हैं।

रोडवेज बस में पीठ पर लादकर ले जा रहे थे डोडा-चूरा, पंजाब के दो तस्कर गिरफ्तार



24 न्यूज अपडेट

भीलवाड़ा, 06 अक्टूबर। एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए रोडवेज बस से 17.980 किलो डोडा-चूरा बरामद किया। माण्डल चौराहा से रायला की ओर आ रही झुंझुनू डिपो की रोडवेज बस आरजे 14 पीई 5313 में सवार पंजाब के दो युवकों

को गिरफ्तार किया गया। एएनटीएफ को बस में दो संदिग्धों के मादक पदार्थ लेकर जाने की सूचना मिली थी। टीम ने रायला पुलिस को सूचना देकर थाने के सामने नाकाबंदी कराई। बस रुकवाकर तलाशी लेने पर दो युवक पीठ पर बैग लटकाए मिले। पुलिस को देखकर घबराने पर संदेह गहराया और बैगों की तलाशी में डोडा-चूरा बरामद हुआ।

पुलिस ने मौके से 17.980 किलोग्राम अवैध डोडा-चूरा जब्त कर दोनों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों की पहचान गगनदीप पुत्र धर्म सिंह और स्वामी सिंह पुत्र शरण सिंह, दोनों निवासी झंडाकल्ला, थाना शार्दूलगढ़, जिला मानसा, पंजाब के रूप में हुई है। दोनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

तेज रफ्तार कार ने दो भाइयों को मारी टक्कर, युवक का पैर गंभीर रूप से घायल 24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। हाथीपोल थाना क्षेत्र में चेतक सर्कल रोड पर तेज रफ्तार कार की टक्कर से युवक गंभीर घायल हो गया। रौनक निमावत (24), निवासी खटीकवाड़ा, ने रिपोर्ट में बताया कि अज्ञात कार चालक गलत दिशा में तेज गति से

कट मारते हुए उसके और उसके भाई रोहित निमावत को टक्कर मारकर फरार हो गया। हादसे में रोहित गंभीर घायल हुआ और उसके बाएं पैर की अंगुली कट गई। पुलिस ने अज्ञात चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। जांच हैड कांस्टेबल राजेश कुमार कर रहे हैं।

मकान पर कब्जे के लिए पैसों का झांसा देने का आरोप, दो के खिलाफ केस 24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। हिरणमगरी थाना पुलिस ने मकान पर कब्जा करने के लिए पैसे का झांसा देने के आरोप में दो लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। टैगोर नगर निवासी निर्मल कुमार जैन ने न्यायालय के जरिए दी रिपोर्ट में आरोप लगाया कि आरोपियों ने उन्हें पैसों का झांसा देकर मकान पर कब्जा करने का प्रयास किया। मामले में शांति नगर सेक्टर-3 निवासी ललिता लोढ़ा सहित एक अन्य को आरोपी बनाया गया है। पुलिस ने बीएनएस की धारा 318(4) और 316(2) के तहत प्रकरण दर्ज किया है। जांच सहायक उपनिरीक्षक मोहनलाल कर रहे हैं। घासा पुलिस की कार्रवाई, 15.81

ग्राम एमडी के साथ चार गिरफ्तार उदयपुर। घासा थाना पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 15.81 ग्राम अवैध मेफेड्रोन (एमडी) बरामद कर चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी बिना वैध दस्तावेजों के एमडी का परिवहन कर रहे थे। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान लोगर डागी (42) निवासी मंजेरा, कुलदीप सिंह चौहान (22) निवासी राती तलाई नेगड़िया, सोहन डागी (28) और किशनलाल देवीलाल डागी (40), दोनों निवासी दुधतलाई, घासा के रूप में हुई है। कार्रवाई के बाद आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/ 22 में मामला दर्ज किया गया है। प्रकरण की जांच डबोक थानाधिकारी सूर्यभान सिंह कर रहे हैं।

